तापमान
अधिकतम 43 .0 डिग्री
न्यूनतम 20 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 27 अप्रैल 2026

11 सेवा और सुशासन संकल्प के साथ काम कर रही भाजपा

12 आरटीई : 3966 सीटों पर मात्र 2224 बच्चों ने किया आवेदन

खबर संक्षेप

गवाह से मारपीट करने का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट पश्चिम (सीआईए-1) की टीम ने केस के गवाह पर गवाही न देने का दबाव बनाने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित उर्फ मित्ता निवासी गोहाना बाईपास, सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 17 दिसंबर 2025 को दीदार निवासी गांव बुब, कालुवाह जिला होशियारपुर ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दी थी कि वह एक टोल कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। वर्ष 2023 में भिगान टोल पर हुई मारपीट के मामले में दर्ज मुकदमे में वह गवाह था। शिकायत के अनुसार, शनि मंदिर रेलवे अंडरपास के पास कुछ युवकों ने उसे ऑटो से उतारकर डंडों और सरियों से उसके पैरों पर हमला किया और गवाही देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

रोहणा फ्लाईओवर के पास हादसे में चालक की मौत

खरखौदा। गांव रोहणा फ्लाईओवर के पास हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराने के कारण एक ट्रक चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान धर्मेंद्र कुमार निवासी दत्ताचोली खुर्द, जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र कुमार ट्रक लेकर दादरी से खरखौदा होते हुए गाजियाबाद की ओर जा रहा था। जैसे ही वह रोहणा फ्लाईओवर पर पहुंचा, वहां सड़क के बीचों-बीच खड़े एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।आरोप है कि उक्त ट्रक चालक ने वाहन बिना किसी संकेतक (इंडिकेटर) के बीच सड़क पर खड़ा कर रखा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। हादसे में धर्मेंद्र कुमार को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

64.21 ग्राम हेरोइन सहित दो गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में दो आरोपियों को 64.21 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रामनिवास और दिनेश के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 25 अप्रैल को गश्त के दौरान हरसाना मोड़ के पास गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी कार में हेरोइन लेकर गांव नाहरा से रोहट नहर के रास्ते अपने घर जाएंगे। सूचना के आधार पर पुलिस ने रोहट नहर पुल के पास नाका लगाकर वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक ने गाड़ी मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने वाहन को काबू कर लिया।तलाशी के दौरान रामनिवास की जेब से पारदर्शी पन्नी में 64.21 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

गर्मी का सितम : जून जैसा तप रहा अप्रैल, दोपहर में चल रही लू की लपटें

रविवार को अधिकतम तापमान 43 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 30 अप्रैल तक बारिश होने की बन रही संभावना

सोनीपत। मॉडल टाउन रोड में ये रहा नजारा।

सोमवार रात से मौसम बदलने की संभावना

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में फिलहाल भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम के शुष्क होने के कारण तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि, सोमवार रात से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से 30 अप्रैल तक बारिश हो सकती है।

-प्रो. चंद्रमोहन, मौसम विशेषज्ञ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले में गर्मी का सितम लगातार जारी है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में ही भीषण गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। अप्रैल जून जैसा तप रहा है। दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। सुबह से ही तेज धूप और बढ़ते तापमान ने लोगों को बेहाल कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है, जबकि बाजारों में ग्राहकों की कमी के कारण कारोबार प्रभावित हो रहा है। पश्चिमी मरुस्थलीय शुष्क हवाओं और सूर्य की तीखी तपिश ने लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। शहर के प्रमुख बाजार कच्चे क्वार्टर मार्केट, कपड़ा मार्केट सहित अन्य स्थानों पर सुबह और शाम के समय ही ग्राहकों की आवाजाही रहती है, जबकि दोपहर में बाजार सूने नजर आते हैं। प्रशासन ने भी गर्मी को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है, जिसमें लोगों से दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और जरूरी कार्य सुबह या शाम को करने की सलाह दी गई है। जगदीशपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा। लगातार बढ़ते तापमान के चलते सोमवार को भी राहत के आसार कम हैं।

लगातार बढ़ता जा रहा तापमान

अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से ही तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। वातावरण पूरी तरह शुष्क हो चुका है और सूर्योदय के साथ ही गर्मी का एहसास होने लगता है। दोपहर के समय चलने वाली पश्चिमी हवाएं लू का रूप ले रही हैं। बीते एक सप्ताह में तापमान में लगभग 13 से 15 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है, जिससे अप्रैल में ही जून जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को जल्द राहत मिल सकती है। 27 अप्रैल की रात उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी हरियाणा क्षेत्र में चक्रवातीय परिसंचरण बनने की संभावना है, जिससे अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी पहुंचेगी। इसके प्रभाव से क्षेत्र में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। 30 अप्रैल तक आंधी, अंधड़ और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। हालांकि, यदि हवाओं की गति धीमी पड़ती है तो उमस बढ़ सकती है। इसके बाद 2 और 5 मई को भी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के संकेत हैं, जिससे हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली क्षेत्र में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा।रबी सीजन की फसलों की कटाई लगभग पूरी हो चुकी है और किसान अब खरीफ फसलों की बुवाई में जुट गए हैं। ऐसे में संभावित बारिश किसानों के लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

भीषण गर्मी में बढ़ी बिजली की डिमांड, 1.42 करोड़ यूनिट तक पहुंची खपत

बिजली निगम के निर्बाध आपूर्ति के दावे फेल, अघोषित कटौती से लोग परेशान

बीते एक सप्ताह में बिजली खपत में करीब 33 लाख यूनिट प्रतिदिन की बढ़ोतरी

सोनीपत। जिले में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। अधिक डिमांड के चलते शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित कटौती शुरू हो गई है। हालांकि विभाग की ओर से निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। शहर के विभिन्न इलाकों में रोजाना एक-एक घंटे के अघोषित कट लगने से लोग परेशान हैं। बिजली निगम के आंकड़ों के अनुसार बीते एक सप्ताह में बिजली खपत में करीब 33 लाख यूनिट प्रतिदिन की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 25 अप्रैल को बिजली खपत बढ़कर 1 करोड़ 42 लाख 42 हजार यूनिट प्रतिदिन तक पहुंच गई। वहीं तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने से एसी, कूलर और पंखों का उपयोग बढ़ गया है, जिससे लोड और अधिक बढ़ रहा है।

शहर में फाल्ट बढ़ने से शिकायतों का अंबार

लोड बढ़ने के कारण विभिन्न क्षेत्रों में बिजली फाल्ट की समस्या भी सामने आ रही है। बिजली निगम के शिकायत केंद्रों पर रोजाना 300 से अधिक शिकायतें दर्ज हो रही हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि गर्मी बढ़ने के साथ यह संख्या 1000 तक पहुंच सकती है।

4.5 लाख उपभोक्ता

जिले में करीब 4.5 लाख बिजली उपभोक्ता हैं, जिन पर बढ़ते लोड का सीधा असर पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दिन के समय बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। रबी सीजन की कटाई के चलते अप्रैल की शुरुआत से दोपहर में सप्लाई बाधित रही। अब निगम ने नया शेड्यूल जारी करते हुए सुबह 11:30 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बहाल करने का निर्णय लिया है, जिससे खपत और बढ़ने की संभावना है।

बिजली खपत का आंकड़ा

25 अप्रैल : 1.42 करोड़ यूनिट
24 : 1.38 करोड़ यूनिट
23 : 1.35 करोड़ यूनिट
22 : 1.31 करोड़ यूनिट
21 : 1.28 करोड़ यूनिट
20 : 1.11 करोड़ यूनिट
19 अप्रैल : 1.09 करोड़ यूनिट

जर्जर तार बदलकर लोड के अनुसार अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगा रहे

बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की खपत बढ़ रही है। उपभोक्ताओं की समस्याओं से निपटने के लिए विभाग सतर्क है। पुराने तार बदले जा रहे हैं और लोड के अनुसार अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, ताकि निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।
अश्वनी कुमार, एक्सईएन, बिजली निगम, सोनीपत

कैंटर ने बाइक को टक्कर मारी महिला की मौत, पति व बेटी घायल

खरखौदा। रोहतक के खोखरा कोट से सोनीपत के मुरथल में जोत लगाने गए एक परिवार के साथ लौटते समय दर्दनाक हादसा हो गया। अज्ञात कैंटर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और नाबालिग बेटी घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, रोशनलाल अपनी पत्नी कविता और करीब 17 वर्षीय बेटी दुर्गा के साथ मुरथल में धार्मिक मान्यता के तहत जोत लगाने गए थे। जोत लगाकर तीनों बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान खरखौदा-रोहतक मार्ग पर एक अज्ञात कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सड़क पर गिर गई और पीछे बैठी कविता को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक चला रहे रोशनलाल और उनकी बेटी दुर्गा भी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोशनलाल ने बताया कि कैंटर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मारी, जिससे यह हादसा हुआ। मृतका कविता गांव रोहणा की रहने वाली थी, जिसकी शादी रोहतक के खोखरा कोट में हुई थी। थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि आरोपी चालक की तलाश के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

खरखौदा। हादसा स्थल पर जांच करती पुलिस।

बेटे-बहू पर बुजुर्ग दंपति से मारपीट का आरोप

खरखौदा। थाना क्षेत्र खरखौदा के गांव सेहरी निवासी 60 वर्षीय जगबीर ने अपने बेटे अक्षय और बहू मोनिका पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में जगबीर ने बताया कि उसका बेटा अक्षय नशे का आदी है और वह अपनी पत्नी के साथ मिलकर अक्सर उनके साथ मारपीट करता है। 25 अप्रैल की शाम को भी दोनों ने घर में डंडों से हमला कर दिया, जिसमें जगबीर के सिर और हाथ पर चोटें आईं, जबकि उसकी पत्नी सरोज के हाथ में गंभीर चोट लगी। बीच-बचाव करने आए भतीजे अमित उर्फ मोनू को भी चोटें आईं। घायलों को पहले खरखौदा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। जगबीर के सिर में टांके लगे हैं, जबकि उसकी पत्नी के हाथ का ऑपरेशन किया जाना है। पीड़ित ने बताया कि इससे पहले भी इस मामले में थाना खरखौदा में मुकदमा दर्ज हो चुका है, लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिशन मुस्कान : पुलिस ने लापता 8 वर्षीय बच्चे को परिजनों से मिलवाया

सोनीपत। मिशन मुस्कान के तहत सोनीपत पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए कुंडली थाना क्षेत्र से लापता हुए 8 वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों से मिलाया।25 अप्रैल की रात करीब 10 बजे डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि थाना कुंडली क्षेत्र में एक 8 वर्षीय बच्चा घर से लापता हो गया है। सूचना मिलते ही थाना कुंडली में तैनात मुख्य सिपाही तरुण व संदीप अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बच्चे की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चे के गांव का पता लगाया और उसके परिजनों को ढूंढ निकाला। इसके बाद बच्चे को मिशन मुस्कान के तहत सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

केमिकल भंडारण को लेकर कंपनी के खिलाफ शिकायत

राई। मुरथल स्थित एचएसआईआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र की एक कंपनी के खिलाफ खतरनाक रसायनों के भंडारण को लेकर थाना मुरथल में शिकायत दी गई है। शिकायतकर्ता एसके राठी ने आरोप लगाया कि कंपनी नियमों की अनदेखी कर ज्वलनशील और खतरनाक रसायनों का भंडारण कर रही है। शिकायत के अनुसार कंपनी परिसर में एसीटोन, मेथनॉल, टोल्यून, टेट्राहाइड्रोफ्यूरान, हाइड्रोफ्लोरिक एसिड, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल और पेट्रोलियम ईथर जैसे रसायन रखे जा रहे हैं, जिनके लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों और लाइसेंस की आवश्यकता होती है। आरोप है कि पूर्व में भी वर्ष 2022 और 2024 में आग और विस्फोट जैसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कर्मचारियों के झुलसने की घटनाएं सामने आई थीं। शिकायतकर्ता ने बताया कि उक्त भंडारण उसके प्लॉट के सामने किया जा रहा है, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच की मांग की है। मुरथल पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारियों ने निजी कॉलोनाइजर पर लगाए आरोप शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

मुरथल विश्वविद्यालय की दीवार तोड़कर लगाया गेट, फुटपाथ तोड़कर बनाई सड़क

कर्मचारी बोले- विवि के साथ लगती भूमि पर प्लॉटिंग की नीयत से जमीन पर कब्जा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में अतिक्रमण का मामला सामने आया है। आरोप है कि विश्वविद्यालय की दीवार तोड़कर गेट लगा दिया गया और ग्रीन बेल्ट में फुटपाथ तोड़कर सड़क तैयार कर दी गई।

विवि प्रशासन की चुप्पी

कर्मचारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय के साथ लगती जमीन पर प्लॉटिंग के उद्देश्य से एक निजी कॉलोनाइजर ने अपने फायदे के लिए विश्वविद्यालय की जमीन पर कब्जा किया है। इस संबंध में करीब एक माह पहले विवि प्रबंधन को शिकायत भी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि कुछ दिन पहले विश्वविद्यालय परिसर की दीवार तोड़कर वहां गेट लगा दिया गया। इसकी सूचना तत्काल विवि प्रबंधन को दी गई और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की गई, लेकिन प्रबंधन ने कार्रवाई करने के बजाय प्रस्ताव को वापस भेज दिया और मामले को लंबित रखा।

सोनीपत। विश्वविद्यालय परिसर में दीवार तोड़कर लगाया गया गेट व बनी सड़क।

मामले की निष्पक्ष जांच करवाने पर अड़े कर्मचारी

कर्मचारियों के अनुसार, इसके बाद गेट के सामने ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में सड़क बना दी गई और फुटपाथ तोड़कर उसे मुख्य सड़क से जोड़ दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले में विवि प्रबंधन का रवैया ढुलमुल बना हुआ है। जहां कर्मचारियों पर छोटी-छोटी बातों पर कार्रवाई की जाती है, वहीं खुलेआम अतिक्रमण के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। कर्मचारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर, इस मामले में विश्वविद्यालय प्रबंधन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

दमकल कर्मचारी बोले, हम 30 तक धरने पर डटे रहेंगे

हरिभूमि न्यूज, सोनीपत

- 19वें दिन भी राज्यव्यापी हड़ताल जारी रही

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर दमकल कर्मियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 19वें दिन भी राज्यव्यापी हड़ताल जारी रखी। नगर निगम कार्यालय परिसर में कर्मचारियों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता राज्य वरिष्ठ उपप्रधान एवं जिला प्रधान राजीव खत्री ने की, जबकि संचालन जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश ने किया। कर्मचारियों ने सरकार की हठधर्मिता और वादाखिलाफी के विरोध में 30 अप्रैल तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा भी उनके समर्थन में 1 और 2 मई को दो दिवसीय हड़ताल करेगा।

जिला प्रधान राजीव खत्री ने कहा कि कर्मचारी नगर निगम चुनाव के दौरान जनता के बीच जाकर सरकार के झूठे वादों और चुनावी जुमलों की पोल खोलेंगे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में आग बुझाते समय फायर विभाग के दो कर्मचारियों की मौत हो चुकी है, लेकिन सरकार ने पीड़ित परिवारों के प्रति कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार का यही रवैया रहा, तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। गर्मी के मौसम में प्रदेशभर में आगजनी की घटनाएं बढ़ रही हैं।

सोनीपत। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कर्मचारी।

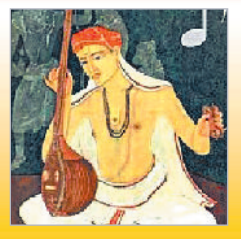

गांवों के नाम रागों पर आधारित

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में सात्विक प्रेम और विरह

हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोकगीत किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। जब हम हरियाणा की बात करते हैं, तो अक्सर लोगों का ध्यान यहां की वीरता, कुश्ती के मैदानों की तरफ जाता है। लेकिन, हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह

सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है। आज हम हरियाणवी लोकगीतों के आईने में उस प्रेम और विरह को देखने की कोशिश करेंगे, जो हमारी माटी की असल पहचान है।

हरियाणवी लोकगीतों में विरह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यहां का लोक-मानस प्रकृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि मौसम बदलते ही मन की अवस्था भी बदल जाती है। जब पिया परदेश में हो, तो सावन की फुहारें या कोयल की कूक किसी कांटे की तरह चुभने लगती है। एक स्त्री जब अपने पिया के वियोग में होती है, तो वह प्रकृति को ही अपना साथी मान लेती है। हरियाणवी लोक-साहित्य में मौजूद 'बारामासा' गीत में एक स्त्री का अपने प्रिय के प्रति सात्विक मोह और समाज की ओर से पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देखिए:

आम्बों की ठंडी सी छांह, निंबों नीचे क्यूं खड़ी?
के तेरे पिया परदेस, के तेरी सास बुरी?
उड़ जा रे काले से काग, तन्नै मेरी के पड़ी?
ना मेरे पिया परदेस, ना है मेरी सास बुरी।
आया है साढ़ज मास, आवैं घन घोर कै,
जो घर होत्ते म्हारे लाल, बंगला छुवावते।

इस गीत में स्त्री की जो मर्यादा है, वह काबिले तारीफ है। वह स्त्री अपनी निजी पीड़ा को सार्वजनिक नहीं करती। वह अपनी गरिमा बनाए रखती है। जब मन में विरह की आग जल रही हो, तो बाहर की हर सुरीली चीज़ भी शोर लगने लगती है। कोयल की आवाज़ जो वसंत में लोगों को मोह लेती है, एक विरहिणी के लिए बेचैनी का कारण बन जाती है। यहां लोकगीत की वह गहराई देखिए, जहां वह कोयल से ही संवाद करने लगती है:

मेरे पिया गए परदेस, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
यो सै मेरे पिया जी का नां, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
तूं तै काली बणी भगवान, काम्मण उनकी गोरी सै।
मेरे मन म्हं उठैं सै हिलोर, तूं काल क्यूं हो री सै।
तूं तै काले बादल की गैल, उड़ जा री अम्बर म्हं।
बेबे! हम विरहण की रात कटै सै पीहर म्हं।

यहां नायिका को लगता है कि कोयल उसे उसके प्रिय की याद दिलाकर सता रही है। वह कोयल से ही शिकायत करती है कि तू क्यों बोल रही है? क्या तुझे पता है कि मेरे पिया परदेश में हैं? यह लोक-साहित्य का वह जादू है, जहां निर्जीव और सजीव को एक ही धागे में पिरो दिया गया है। पीहर (मायके) में बैठी वह नायिका, अपने पति से दूर है, और उसकी टीस इन शब्दों में साफ़ झलकती है।

पुराने समय में चिट्ठी का आना किसी बड़े आयोजन से कम नहीं था। चिट्ठी में लिखे शब्द प्रियतम की उपस्थिति का अहसास कराते थे। लेकिन उन शब्दों को पढ़ना और फिर रो पड़ना, यह एक विरहिणी की सहज प्रतिक्रिया है। जब सहेलियां घेरा डाल कर पूछती हैं कि जीजा जी ने क्या लिखा है, तो उस बेचारी का हाल देखिए:

बांचत बांचत हुई हाल बेहाल,
आंख्यां तैं आंसू ढारती
हाय री, अभागण नार,
पिया बिन दिन एकली काटती।

हरियाणवी लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे महलों की कहानियां नहीं सुनाते, बल्कि खेतों में पसीना बहाने वाली आम औरत की कहानी सुनाते हैं। यहां का प्रेम भी मेहनत से जुड़ा है। काम के बीच पिया की याद आना, यह दिखाता है कि प्रेम कोई अलग से किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि जीने का एक हिस्सा है। देखिए, खेत में काम करती एक स्त्री जब अपने पति से मिलती है:

मेरे पिया की चिट्ठी आई बेबे ए छुट्टी मिलदी ना मूल
सिर पर घड़वा कांधै पै कसौल्ला बेबे हे
ईख नुलावण जांसीसम निच्चै घड़वा तार्या बेबे ए
बीघे का धर लिया घेर सारे सरीर पै तै आया पसिन्ना बेबे ए मुट्ठी हो गई लाल''

इस गीत में प्रेम का एक व्यावहारिक पक्ष दृष्टिगोचर होता है। पति का आना, काम छोड़ कर उसे लेने जाना, और फिर घर की बातें करना, यह जीवन का सबसे सुंदर दृश्य है। यहां यह दर्शाया गया है कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आधार भी है। यह सात्विक प्रेम है, जहां पसीने की गंध में भी प्यार की खुशबू है। बुढ़ापे में या तन्हाई में इंसान अपने अतीत की उन छोटी-छोटी बातों को याद करता है जो कभी सामान्य लगती थीं, लेकिन अब बहुत कीमती हो गई हैं। पति-पत्नी का साथ नहाना, साथ खाना, और वो 'मस्त' हो जाना, ये बातें आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गायब होती जा रही हैं। लोकगीत हमें उसी सादगी की याद दिलाते हैं:

ये जुल्मी नैण बुरे कोए दिन याद करो
एक न्हाणा न्हाण आले दो जणैन्हा
न्हा मस्त हुए कोए दिन याद करो
एक खाणा खाण आले दो जणै

कितनी गहरी बात कही गई है! 'जुल्मी नैण' जो उन पुराने दिनों को याद करके दुखी हो रहे हैं। वह समय जब दो लोग साथ खाते-पीते थे और खुश रहते थे। यह प्रेम का वह शुद्ध रूप है, जहां किसी बड़े उपहार की आवश्यकता नहीं थी, बस साथ होना ही काफी था। सुख कहीं बाहर नहीं, बल्कि अपने ही घर में, अपने साथी के साथ बिताए गए पलों में है। हरियाणवी लोकगीतों में नायक और नायिका का संवाद बहुत चतुर होता है। वे सीधे-सीधे बात नहीं कहते, बल्कि गीतों के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। यहां देखिए एक नायक जब अपनी नायिका से मिलने का बहाना ढूंढता है, तो वह कैसे अपनी चतुराई और मर्यादा का परिचय देती है:

हो रास्ते में पड़ गयो झील, छैल तेरे आने जाने में
हो तेरा बाप घर पर नहीं, छैल तेरी मय्या बुला रही सै
हो मेरी अम्मां गंगा नीर, नीर के दोष लगावो मत ना
हो तेरा भय्या घर पर नहीं, छैल तेरी भाभी बुला रही सै

यह गीत भारतीय संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। नायक उसे बुलाने के लिए घर के हर सदस्य का नाम लेता है, लेकिन नायिका हर सदस्य को एक पवित्र चीज़ (गंगा नीर, जमुना नीर, कच्चा दूध) से जोड़कर उसे गलत साबित कर देती है। यह प्रेम में भी एक नैतिक मर्यादा का पालन है। यहां कोई वासना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को परखने और मर्यादा में रहने का एक अनूठा खेल है। हरियाणवी स्त्री का यह 'सतीत्व' और 'मर्यादा' लोक गीतों में ही सुरक्षित है।

हमारे यहां अतिथि को भगवान माना गया है, और जब वह अतिथि स्वयं 'प्रियतम' हो, तो सेवा का भाव और भी बढ़ जाता है। पत्नी अपने पति के लिए किस प्रकार का भाव रखती है, इसे देखिए:

म्हारे बाग का मिसरी मेवा चाख कै नै जाइये
तेरे हाथ की रै माली की रोटी ना भावै
कच्चे पाक्के फल तोड़ै मनै आच्छे ना लागैं
सेठ की सिठाणी पै तेरी रोटी पुआ द्यूंगी

यह केवल भोजन कराने का गीत नहीं है। यह प्रेम की वह पराकाष्ठा है, जहां एक पत्नी अपने पति को रोकना चाहती है। वह उसे अपने बगीचे का मेवा खिलाना चाहती है, उसे आराम देना चाहती है। असल में हरियाणा का लोक-साहित्य प्रेम और विरह को कभी भी रुग्ण या नकारात्मक नहीं मानता। यहां प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं है, यह जीवन की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पति-पत्नी का रिश्ता, जो इन गीतों का केंद्र है, वह त्याग और समझौते पर टिका है। चाहे वह परदेश जाने का दुःख हो या साथ बिताए पलों की याद, हरियाणवी लोक-गीतों ने इन भावनाओं को शब्दों की ऐसी माला में पिरोया है कि वे सदियों बाद भी ताजी लगती हैं। इन गीतों में वर्णित नायिका अबला नहीं है, वह एक सबल स्त्री है जो अपने परिवार के प्रति संवेदनशील है, अपनी मर्यादा के प्रति सजग है और अपने प्रियतम के प्रति समर्पित है।

अंत में, यही कह सकते हैं कि हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

गजल

रामफल गौड़

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी।
हांस हांस कै ले स्याबास्सी ।

इब इतिहास नवा लिखणा सै,
कथा पुराणी होल्यी बास्सी ।

अरधसरीरी नार सदा की,
मूरख कहण लगे थे दास्सी ।

करदे आच्छा काम कदे बी,
के मावस सै के पणवास्सी ।

भांड्डा फुट्टै च्योड़ै काल्लर,
कै दिन चाल्लैगी बदमास्सी ।

बण्या कैरियर जी की बाज्जी,
करोंत पड़ै सै लेणा कांस्सी ।

आवैं बाळक इब मिलण न्यूं,
पंछी हों ज्युक्कर परवास्सी।

सदा चालिए चाल आपणी,
नकल करण तै होसै हांस्सी।

कड़ै छणैं सैं दूध अर नीर,
हंस जड़ै आवैं फरमास्सी।

देख कुढंग गाम के रामफळ ,
लोग बणे इब सैहर निवास्सी ।

राग़िनी

भूपसिंह 'भारती'

मतना काटो पेड़ां नै

मतना काटो पेड़ां नै, न्यू कहरी बेटी थारी।
शुद्ध हवा हमनै दे कै, रखवाली करते म्हारी।।

लालच के चक्कर म्हा थम, कती नहीं शर्माए,
पाच्छै पड़ रहे पेड़ा कै, ये जंगल काट भगाये,
जै ये पेड़ नहीं बचाये, ना बचै ये दुनियादारी।

धरती का सिंगार करै, करकै ये हरियाली,
बरखा नै ये ले कै आवै, ल्यावै सै खुशहाली,
जंगल करो नहीं खाली, पेड़ा पै धरकै आरी।

धरती मां के घने लाडले, जन्म जन्म के साथी,
पर्यावरण शुद्ध करकै, ये बणते सदा हिमाती,
लूएं रोकै ताती ताती, दे सीली छाया प्यारी।

मीठे मीठे फल देवै, ये देवै भोजन पाणी,
पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, कहै बात या बेटी याणी,
समझ 'भारती' बात या स्याणी, फेर खिलै फुलवारी।
मतना काटो पेड़ा नै, न्यू कहरी बेटी थारी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परिवेश

आज के दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता

चौपाल की गूंज से डिजिटल मौन तक

बदलाव

सरिता

हरियाणा की माटी की खुशबू केवल खेतों की सौंधी सुगंध में नहीं, बल्कि उन अनकहे रिश्तों और सांस्कृतिक ताने-बाने में रची-बसी थी, जो कभी गांवों की पहचान हुआ करते थे। आज जब हम हरियाणा के ग्रामीण परिवेश को देखते हैं तो पाते हैं कि यह बदलाव एक संपूर्ण 'जीवन-दर्शन' का रूपांतरण है।

कभी जो चौपालें गांव का हृदय हुआ करती थीं, आज वहां सन्नाटा पसरा है और भौतिक विकास की चकाचौंध के बीच मानवीय संवेदनाओं का अर्थ बदल गया है। कुछ दशकों पहले तक, हरियाणा के गांवों में 'भाईचारा' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ढंग था। गांव की चौपाल महज ईंट-पत्थर का एक ढांचा न होकर गांव का 'सुप्रीम कोर्ट' और 'सांस्कृतिक केंद्र' थी। शाम ढलते ही चौपाल पर जो चर्चाएं होती थीं, उनमें राजनीति से लेकर सारे गाँव का सुख-दुःख, लोक-कला और रागनियों की समीक्षा तक शामिल होती थी। उस दौर में गांव की हर खुशी और हर गम साझा होता था। फसल की कटाई हो या किसी के घर विवाह, पूरा गांव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। कुंओं की जगत पर महिलाओं का मिलना और लोकगीतों के माध्यम से सुख-दुख साझा करना, एक ऐसा 'सोशल नेटवर्क' था जो आज के डिजिटल युग से कहीं अधिक मजबूत था। आपको याद है ना .... 'मेरे सिर पै बंटा टोकणी' और 'पाणी लेण मैं तो कुंए पै गयी थी' ये लोकगीत शाम को कानों में पड़ते थे तो दिनभर की थकान दूर हो जाती थी। उस समय की भाषा में मिठास थी और व्यवहार में 'मान-मर्यादा' का

भाव था। व्यक्ति अपनी पहचान से अधिक अपने गोत्र और गांव की प्रतिष्ठा के प्रति समर्पित रहता था। वहां तर्क के साथ-साथ 'लोक-विवेक' को अधिक महत्व दिया जाता था। समय का पहिया घूमा, तो ग्रामीण हरियाणा का भौतिक स्वरूप तेजी से बदलने लगा। कच्चे घरों की जगह कंक्रीट के बहुमंजिला मकानों ने ले ली। इस निर्माण के साथ ही 'आंगन' सिमट गए। संयुक्त परिवार, जो सुरक्षा और संस्कारों के संवाहक थे, एकल परिवारों में टूट गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया। खेती के साथ पशुपालन और पारंपरिक हस्तशिल्प की महत्ता कम होती गई। युवा पीढ़ी का झुकाव शहरों की ओर बढ़ा, जिससे गांवों में 'बुजुर्गों का अकेलापन' एक नई चुनौती बनकर उभरा। जो चौपाल कभी विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र थी, वहां अब केवल बुजुर्गों की यादें शेष बची हैं या फिर वह केवल चुनाव के समय राजनीतिक अखाड़ा बन गई हैं। आज का ग्रामीण परिवेश एक अजीब से द्वंद्व में जी रहा है। एक तरफ भौतिक सुख-सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ मानसिक तनाव। मोबाइल और सोशल मीडिया ने गांव को वैश्विक दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन पड़ोसियों से दूरी भी बढ़ा दी है। अब लोग एक ही गांव में रहते हुए भी एक-दूसरे से डिजिटल तरीके से जुड़े हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर 'दिल की बात' करने का वक्त कम हो गया है। सबसे बड़ा बदलाव भाषा और संस्कारों में आया है। हरियाणवी बोली, जो अपनी ओजस्विता के लिए जानी जाती थी, वह आज अपनी शुद्धता खो रही है।

नई पीढ़ी के लिए लोक-साहित्य और रागनियों का स्थान अभद्र गीतों और फूहड़ता परोसती वेब सीरीज ने ले लिया है। सोशल मीडिया पर अश्लील और द्विअर्थी संवादों को लेकर सामग्री परोसकर लाइक और व्यूज बटोरते बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे बहुसंख्या में देखे जा सकते हैं। संस्कारों का वह ढांचा, जो नैतिकता और बड़ों के प्रति सम्मान पर टिका था, वह अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जब हम इन दो युगों की तुलना करते हैं, तो यह कहना कठिन है कि परिवर्तन पूरी तरह नकारात्मक है। आज का ग्रामीण हरियाणा अधिक शिक्षित है, जागरूक है और आर्थिक रूप से सशक्त भी। प्रश्न यह है कि क्या हमने विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है? प्राचीन हरियाणा में जो 'सामूहिकता' थी, वह आज की 'वैयक्तिकता' में कहीं खो गई है। पहले जहां व्यक्ति 'गांव का हिस्सा' था, वहीं आज वह 'दुनिया का नागरिक' बनने की होड़ में है। इस दौड़ में सबसे बड़ी क्षति 'लोक-स्मृतियों' की हुई है। दादा-दादी की कहानियों से मिलने वाले संस्कार और चौपालों पर मिलने वाले व्यावहारिक ज्ञान का स्थान अब गूगल और एआई ने ले लिया है।

हरियाणा के बदलते परिवेश को नकारना असंभव है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। लेकिन सांस्कृतिक विस्थापन को रोकना हमारे हाथ में है। अगर हम उस सोच को, उस भाईचारे को, और उस लोक-चेतना को अपने जीवन में फिर से स्थान दे सकें, तो हम आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी जीवित रख पाएंगे। दरअसल आज के बदलते दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ हमें उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः, एक समाज की असली पहचान उसके कंक्रीट के जंगलों से नहीं, बल्कि उस भाईचारे से होती है जो मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे के काम आता है।

सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी हैं मुकेश काले

कलाकार

अंकुर शर्मा

हरियाणा की माटी और यहां की आबोहवा में रची-बसी रागनियों ने न केवल इस प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान दी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा है। जब हम हरियाणा के लोक रंग की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा

ध्यान पुराने दौर के गायकों पर जाता है, लेकिन वर्तमान समय में रेवाड़ी जिले के एक युवा कलाकार ने आधुनिकता और परंपरा के बीच एक ऐसा सेतु बनाया है जिसने सबको अचंभित कर दिया है। यह नाम है-मुकेश काले। मुकेश काले, जिनका मूल नाम मुकेश जांगड़ा है, का जन्म 29 नवंबर, 1999 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव देहलावास गुलाबपुरा में हुआ।

इनके पिता श्री हरिप्रकाश और माता आशा देवी ने बचपन से ही उन्हें संस्कारों की घुट्टी पिलाई। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े काले का मन बचपन से ही चौपालों में होने वाली भजन मंडलियों और रागनियों में रमता था, जहां वे गांव की मंडलियों और जागरणों का हिस्सा बनते थे।अक्सर यह माना जाता है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में जाने के बाद युवा अपनी जड़ों से कट जाते हैं, लेकिन काले ने इस धारणा को गलत साबित किया। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से बी.टेक. की डिग्री हासिल की और वर्तमान में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक

इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद, उनके भीतर का कलाकार निरंतर सक्रिय रहा है। काले की गायकी की जड़ें उन दिग्गजों के सान्निध्य में गहरी हुई हैं, जिन्होंने रेडियो और सांग के माध्यम से हरियाणा की लोक कला को जीवित रखा। वे प्रेम सिंह देहाती, रेडियो कलाकार गुलाब सिंह खांडेवाल, निरंजन सांगी और गढ़वा लाइन के मास्टर सतबीर पालेराम दहिया को अपना आदर्श मानते हैं और लंबे समय तक उन्हें ही सुन-सुनकर सीखा है। उनकी लोकगीतों की ओर रुचि तब जगी, जब उन्होंने अनुभव किया कि पंडित लखमीचंद ने अपनी प्रसिद्ध रागनियों की धुनें लोकगीतों से ही प्रेरित होकर बनाई थीं। आज 'कइयो री खाती के लड़के ने', 'राम-लक्ष्मण दशरथ के बेटे' और 'दादा इस जांदे परदेस जाइये' उनके सबसे प्रिय लोकगीत हैं। मुकेश काले की सबसे बड़ी पहचान उनकी 'मोमेंटरी' गायकी है, जो किसी वाद्य यंत्र की मोहताज नहीं है। वे अक्सर एक साधारण मेज, स्कूल की बेंच या केवल अपने हाथ की थाप से ही वह लय पैदा कर देते हैं, जिसे सुनने के लिए लाखों लोग उनके सोशल मीडिया हैंडल पर उमड़ पड़ते हैं। उनका मानना है कि लोक संगीत लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के बीच ही जन्म लेता है। वे तर्क देते हैं कि जैसे कुम्हार बर्तन बनाते हुए या माताएं स्वेटर बुनते हुए गाती हैं, उन्हें किसी साज़ की ज़रूरत नहीं होती। संगीत अगर आपके भीतर है, तो वह कंप्यूटर पर काम करते हुए टेबल की थाप से भी प्रकट हो सकता है। उनकी इसी मौलिकता के कारण आज इंस्टाग्राम पर 62,000 और फेसबुक पर 36,000 से अधिक अनुयायी उनसे जुड़े हैं। काले केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक गंभीर शोधार्थी भी हैं। वे उन 50-60 कवियों की रचनाओं को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं जो समय के साथ दादा लखमीचंद और मांगेराम जैसे दिग्गजों के प्रभामंडल में कहीं ओझल हो गए। मुकेश काले इन विस्मृत रचनाओं पर निजी तौर पर शोध कर रहे हैं ताकि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। उनका मुख्य ध्येय हरियाणा के 'लोक संगीत' को वैश्विक पहचान दिलाना है। वे भविष्य में एक 'हरियाणवी लोक बैंड' बनाने की दिशा में भी अग्रसर हैं, जो पारंपरिक रागनियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सके।'

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी भाषा को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष हरियाणा का 'स्वर्ण जयंती गीत' प्रस्तुत कर चुके काले सिद्ध कर रहे हैं कि आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। एक इंजीनियर की तार्किक बुद्धि और एक लोक कलाकार का संवेदनशील हृदय जब साथ मिलते हैं, तो मुकेश काले जैसी प्रतिभा का जन्म होता है। आज के 'अपसंस्कृति' के दौर में वे हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी यह यात्रा उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपनी संस्कृति को 'पिछड़ा' मानकर उससे दूर भागते हैं।

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी बोली को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं, जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके।

गोहाना। पौधरोपण करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

साप्ताहिक अभियान में संगठन ने रोपे 43 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत 43 पौधे रोपे। पौधारोपण जींद-बरोदा लिंक रोड (बाइपास) के साथ-साथ खाली जगह में पौधारोपण किया गया। नवरोपित पौधों को पशुओं से सुरक्षा के दृष्टिगत ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया। अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की।

संगठन द्वारा बाइपास के साथ अर्जुन, नीम और जंगली जलेबी के 41 पौधे रोपे। संगठन की टीम द्वारा पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के बाद सिंचाई की की गई। पुराने पौधों की देखभाल में 2 पौधे सूखे हुए मिले। टीम ने सूखे हुए दोनों पौधों को हटाकर इनके स्थान पर नए पौधे रोपे गए। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि घरों के आंगन में लगाए गए पौधों को गर्मी से बचाने के लिए उनकी दूसरे दिन सिंचाई अवश्य करें। पौधारोपण में मनोज प्रजापति, प्रिंस, राजू, अभिमन्यु शर्मा, डॉ. बिजेंद्र, बलजीत जांगड़ा, श्रीभगवान, जगदीश, पवन और प्रवीन कश्यप ने अपनी सेवा दी।

कबीरपुर में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा कार्यक्रम

राम-लक्ष्मण को देख शूर्पणखा मोहित अपमानित होने पर रावण को उकसाया

ओमप्रकाश अरोड़ा ने अरण्य कांड का वर्णन किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से कबीरपुर स्थित रमनकांत शर्मा के निवास पर रविवार को श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश अरोड़ा ने श्री रामचरित मानस में राम, रावण, सीता व शूर्पणखा के प्रसंग मुख्य रूप से अरण्य कांड का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यह प्रसंग राम-रावण युद्ध का वर्णन करता है। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम सुंदरकांड पाठ से की गई। ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि शूर्पणखा पंचवटी में राम-लक्ष्मण को देखकर मोहित होती है। यहां अपमानित होने पर वह रावण को उकसाती है। रावण माता सीता के हरण की योजना बनाता है, जिसे श्रीराम अपना शत्रु व अन्ततः नाश का कारण मानते हैं। पंचवटी में राम-लक्ष्मण के रूप पर मोहित होकर शूर्पणखा राक्षसी रूप बदलकर और फिर सुंदर स्त्री बनकर आती है। लक्ष्मण उसकी नाक-कान काटे जाने पर वह अपमानित महसूस करती है। खर-दूषण के वध के बाद शूर्पणखा लंका जाकर रावण को राम सीता के बारे में बताती है। सीता की सुंदरता का वर्णन कर रावण को हरण के लिए प्रेरित करती है। बताया कि रामजी जानते थे कि रावण सीता हरण के लिए आएगा, इसलिए उन्होंने लक्ष्मण के माध्यम से सीता को अग्नि में निवास करने को कहा, छाया सीता को वहां रखा। शूर्पणखा का कृत्य राम व रावण के बीच युद्ध का मुख्य कारण बनता है, जो अंततः रावण के विनाश का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के पश्चात हरिनाम संकीर्तन व आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शाम रहेजा, ललित बत्रा, राकेश बहल, महेश पांडे, रमाकांत, मुकेश आनंद, मेहर चंद, दिनेश अरोड़ा, धीरज, भूषण मौजूद रहे।

सोनीपत। सोनीपत के कबीरपुर में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

प्रतिदिन हरिनाम का जाप करने से जीव बंधन से मुक्त : रघु कुमार दास

सोनीपत। सोनीपत के वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

- इस्कॉन प्रचार समिति सोनीपत ने वेस्ट रामनगर व आसपास क्षेत्र में निकाली हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति सोनीपत की ओर से रविवार को वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सुबह वेस्ट रामनगर स्थित भागवत तत्व दास के घर से तुलसी पूजन व आरती के साथ की गई। इसके बाद प्रभातफेरी आसपास के क्षेत्रों से होते हुए वापस इस्कॉन प्रचार केंद्र में संकीर्तन करके संपन्न हुई। मार्ग पर जगह-जगह हरिनाम का गुणगान किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी के दौरान भक्तिमय गीतों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन किया। मार्ग में अनेक स्थानों पर स्थानीय लोगों ने प्रभातफेरी का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। समिति की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया। रघु कुमार दास ने बताया कि जो जीव भूल से भी भगवान का नाम ले लेता है, उसका कल्याण स्वयं संभव हो जाता है। प्रतिदिन हरिनाम का जाप करने से जीव भव बंधन से मुक्त हो जाता है। प्रभातफेरी में कृष्ण कृपा दास, शालिग्राम दास, युग धर्मदास, कृष्ण कुमार गर्ग, जयभगवान, जयप्रकाश, बृजनारद दास, मास्टर जगदीप पांचाल, बॉबी सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

पीड़ित परिवार जल्द पुलिस आयुक्त से करेगा मुलाकात

- प्रारंभिक जांच में घोर लापरवाही बरतने वाले जांच निरीक्षक की कार्यप्रणाली पर सख्त विभागीय कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र से 16 जनवरी को अपहत दो नाबालिग बच्चियों की बरामदी पर परिवार ने रक्षक सेना, पुलिस प्रशासन का आभार जताया। वहीं मामले में मुख्य आरोपी को लुधियाना से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बता दें कि 16 जनवरी को आरोपी जोगिंद्र दोनों नाबालिग बच्चियों को बहला-फुसलाकर ले गया था। घटना के बाद कुंडली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, लेकिन 82 दिन तक बच्चियों का कोई सुराग नहीं लगने से परिवार परेशान था। शिकायतकर्ता परिवार का यह भी आरोप है कि जांच निरीक्षक की ओर से उन्हें घंटों थाने में बैठाए रखा गया। प्रवासी होने के कारण उनके साथ भेदभाव किया गया। परिवार की ओर से आरोपी का नाम, आधार, फोटो, फोन नंबर सहित सभी अहम सुराग देने के बावजूद प्रारंभिक स्तर पर कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। इसको लेकर परिवार रक्षक सेना के सदस्यों के साथ जल्द पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर अपनी आपबीती से अवगत कराएगा। बता दें कि मामले को लेकर रक्षक सेना के सहयोग से परिवार ने 16 अप्रैल को उपायुक्त को भी शिकायत दी थी। साथ ही एक सप्ताह का समय देकर बच्चियों को बरामद करने व आरोपी को पकड़ने की गुहार लगाई थी। साथ ही बेटी बचाओ महापंचायत करने का निर्णय भी लिया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

आंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी की बैठक 31 मई को

सोनीपत। सोनीपत के ककरोई रोड स्थित कार्यालय में मौजूद दी आंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी के पदाधिकारी।

सोनीपत। ककरोई रोड स्थित दी आंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी ने रविवार को कार्यालय में बैठक कर निर्णय लिया कि सोसायटी की महत्वपूर्ण आम सभा की बैठक 31 मई रविवार होगी। सोसायटी के सचिव रविंद्र भाटिया ने बताया कि बैठक ककरोई रोड स्थित सोसायटी परिसर में सुबह 10 बजे होगी। जिसमें सोसायटी के सभी आजीवन सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। बैठक के दौरान संस्था के वार्षिक लेखा-जोखा की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही शिक्षा के प्रसार के लिए भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। संस्था के सभी पदाधिकारियों ने सभी आजीवन सदस्यों से अपील की, कि वह समय पर पहुंचकर बैठक की कार्यवाही में भाग लें।

अलग-अलग हादसे में महिला सहित 4 की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर तेज रफ्तार के कहर से कई परिवारों में मातम का माहौल छा गया। अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। एक हादसे में बहालगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-7 के पास कैंटर चालक की जान गई। दूसरे हादसे में मुरथल में महिला व युवक को कार ने कुचल दिया। तीसरे हादसे में घायल श्रमिक की उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के बदायूं से कई श्रमिक काम की तलाश में बोलेरो गाड़ी में सवार होकर पानीपत के लिए चले थे। गाड़ी में बदायूं के गांव अलीनगर निवासी 30 वर्षीय रामलली, मूलरूप से बरेली हॉल हापुड़ के गांव गुडनपुर छाज्जू निवासी 33 वर्षीय ज्ञान सिंह अपने परिवार के साथ थे। जब वह मुरथल फ्लाईओवर नांगल खुर्द के पास पहुंचे, तो उनकी गाड़ी खराब हो गई। इसी दौरान चालक मिस्त्री को लेने चले गए। ज्ञान सिंह व रामलली के बच्चों ने पानी पीने की बात कही, तो वह सड़क पार कर उनके लिए ढाबे से पानी लेने जाने लगे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक कार सहित फरार हो गया। मुरथल थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने ज्ञान सिंह की पत्नी ज्ञानश्री के बयान पर कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन की टक्कर से घायल ने तोड़ा दम

प्याऊ मनियारी में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पार करते समय घायल हुए श्रमिक की मौत हो गई। मूलरूप से यूपी के देवरिया के गांव परसिया छितनी सिंह निवासी अमित ने बताया कि उनके पिता रामधनी हॉल में प्याऊ मनियारी में रहते थे। उनको 19 अप्रैल की देर रात कुंडली थाना क्षेत्र में सड़क पार करते समय वाहन ने टक्कर मार दी थी। वह पीजीआई रोहतक में उपचाराधीन थे। उनके पिता रामधनी की अब उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कैंटरों में टक्कर, क्लीनर की मौत

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर ही सेक्टर-7 मोड़ के पास पंक्चर की हालत में खड़े एक दूध से भरे कैंटर को एक अन्य कैंटर ने टक्कर मार दी। हादसे में क्लीनर की मौत हो गई व चालक घायल हो गए। दिल्ली के शाहदरा निवासी इमरान ने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि वह दूध के कैंटर पर हेल्पर है। वह अपने साथी क्लीनर यूपी के बागपत के गांव खेकड़ा निवासी प्रवीन व गाजियाबाद के लोनी निवासी चालक सोनू के साथ बड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित दूध के प्लांट से दूध लेकर लोनी जा रहे थे। जब वह सेक्टर-7 फ्लाईओवर से नीचे उतर रहे थे तो अचानक उनकी गाड़ी के दो टायर फट गया। उन्होंने गाड़ी को रोक दिया। सोनू और प्रवीन गाड़ी के नीचे जैक लगाकर टायर बदलने लगे। गाड़ी मालिक राजीव भी टायर लेकर मौका पर आ गए। वह भी गाड़ी के टायर बदलवाने में प्रवीन व सोनू की मदद करने लगे। अचानक पीछे से एक तेज रफ्तार कैंटर ने दूध की गाड़ी को टक्कर मार दी। गाड़ी के नीचे काम कर रहे प्रवीन व सोनू को चोट लगी। टक्कर मारने वाली गाड़ी के चालक के दोनो पैर भी गाड़ी के केबिन में फंस गए। वह भी घायल हुआ। राहगीरों की मदद से घायलों को सोनीपत के नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां पर प्रवीन को मृत घोषित कर दिया। प्रवीन के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। उनकी पत्नी गर्भवती है। वहीं हादसे के बाद जाम की स्थिति बन गई थी। पुलिस ने मशक्कत के बाद वाहनों को सड़क से हटाया और की स्थिति को सामान्य किया।

गोमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने और गो हत्या समाप्त करने के लिए अभियान आज

- गो सम्मान अभियान को लेकर अपील, एसडीएम कार्यालय में आज ज्ञापन देने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गोमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने व गो हत्या समाप्त करने के लिए अभियान के तहत 26 अप्रैल को सभी गन्नौर की सभी गौशाला व सेवा समिति के पदाधिकारी द्वारा गन्नौर एसडीएम के माध्यम से प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा। गौशाला सेवा समिति के प्रधान सतपाल ने ज्ञापन कार्यक्रम में सभी से पहुंचने की अपील करते हुए बताया कि 27 अप्रैल और 27 जुलाई 2026 को 'गो सम्मान दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसके माध्यम से गोवंश संरक्षण, सेवा और सम्मान को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत देशभर में जनसमर्थन जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि गोवंश से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठाया जा सके। समिति द्वारा रखी गई प्रमुख मांगों में गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करना, गोसेवा के लिए सुदृढ़ व्यवस्था विकसित करना तथा इस दिशा में प्रभावी कानून बनाने की आवश्यकता शामिल है। उन्होंने बताया कि इन विषयों को लेकर विभिन्न स्तरों पर संवाद स्थापित किया जा रहा है। समिति प्रधान सतपाल ने सामाजिक संगठनों, युवाओं, किसानों और आम नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान का हिस्सा बनकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और अधिक से अधिक लोगों को भी इससे जोड़ें। उन्होंने कहा कि गोसेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग रही है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। यदि समाज एकजुट होकर आगे बढ़ेगा, तो इस दिशा में सकारात्मक बदलाव संभव है। अभियान से जुड़ने के लिए लोगों को मिस कॉल के माध्यम से पंजीकरण करने की सुविधा भी दी गई है।

इनेलो केवल राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि देवीलाल की विचारधारा: सुनैना

खरखौदा। धर्मवीर फोगाट के घर संवेदना व्यक्त करती सुनैना चौटाला

खरखौदा। इनेलो महिला विंग की प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के खरखौदा पहुंची। वे एक पार्टी कार्यकर्ता की बेटी की शादी समारोह में शामिल हुई। वहीं कर्मचारी प्रकोष्ठ के हलका अध्यक्ष धर्मवीर फोगाट के पुत्र के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंची। इस बीच पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि आगामी 2029 विधानसभा चुनाव में इनेलो सतारूढ़ होगी और अभय चौटाला मुख्यमंत्री होंगे। अपनी बात के पक्ष में उन्होंने दलील दी कि पुराने कार्यकर्ताओं व अन्य दलों के नेता इनेलो में शामिल हो रहे हैं जिससे इनेलो दिन प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है। इनेलो नेत्री ने कहा कि इनेलो केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि चौधरी देवीलाल की विचारधारा है, जिसने हमेशा जनता के हितों की लड़ाई लड़ी है। कहा कि पानी, बिजली, पेंशन और किसानों के अधिकारों के लिए इनेलो नेताओं ने संघर्ष कर जनता को उनका हक दिलाने का काम किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता बड़े-बड़े वादे कर जनता से वोट लेते हैं और बाद में उन्हें पूरा नहीं करते।

सेवा और सुशासन संकल्प के साथ काम कर रही भाजपा: डॉ. धर्मवीर

गोहाना। कार्यक्रम में प्रतिभागी शक्ति केंद्र प्रमुख।

- नांदल अस्पताल में शक्ति केंद्र प्रमुखों की महत्वपूर्ण बैठक

गोहाना। सिविल रोड स्थित नांदल अस्पताल में रविवार को भाजपा के शक्ति केंद्र प्रमुखों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता डा. धर्मवीर नांदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। कार्यकर्ताओं से इन नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने, एसआईआर, मन की बात कार्यक्रम और सोनीपत निकाय चुनाव से जुड़े मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र मुदगिल ने की। इस अवसर पर डा. विजेंद्र खींची, डा. रमेश कश्यप, शेर सिंह बेडवाल, जगवीर जैन, विजेंद्र सैनी, सतबीर सिंह और पवन सैनी रहे।

ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर में कई राज्यों के प्रतिभागी ले रहे हिस्सा

खरखौदा। शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागी

खरखौदा। सूर्या साधना स्थली झिंझोली में ग्रामीण व्यक्तित्व विकास शिविर का शुभारंभ हुआ है। जिसमें कक्षा 6 से 10 तक के कुल 96 विद्यार्थियों ने भाग ले रहे हैं। शिविर में गुजरात, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली व उत्तराखंड से आए विद्यार्थी भाग ले रहे है। यह शिविर 26 अप्रैल से 4 मई तक आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को सशक्त बनाना है। उद्घाटन अवसर पर सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन हेमंत शर्मा ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते बच्चों को अनुशासन, नेतृत्व एवं आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित किया। शिविर की भूमिका एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में राजेंद्र एवं हिमांशु (ट्रेनिंग इंचार्ज) की विशेष उपस्थिति रही। शिविर का संचालन कैम्प चीफ रुस्तम द्वारा किया गया। संकल्प एवं शारीरिक गतिविधियों का संचालन रिंकू द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को हिमांशु द्वारा शपथ दिलाई गई। विभिन्न राज्यों से आए बच्चों का परिचय शिव राजवाड़े द्वारा कराया गया।

निःशुल्क शिविर में 100 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

गोहाना। शिविर में इशिता शर्मा को सम्मानित करते हुए समिति के प्रतिनिधि।

गोहाना। शिक्षा एवं स्वास्थ्य समिति गोहाना के पूर्व अध्यक्ष स्व. डॉ. वीर सिंह मलिक की पुण्यतिथि पर रविवार को शहर में पार्क रोड स्थित जीत अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सौ मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अध्यक्षता स्व. डॉ. वीर सिंह मलिक की पत्नी समिति की अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्राचार्या गायत्री मलिक ने की। निःशुल्क शिविर का शुभारंभ डॉ. वीर सिंह मलिक के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। शिविर में डॉ. शिवम नरवाल, डॉ. कुनाल अरोड़ा और डॉ. चेतना वत्स ने अपनी सेवाएं दी। समारोह में इशिता शर्मा, कुलदीप मलिक, सत्यवीर आर्य, जगदीश पूनिया, रतन सिंह वर्मा, चांद सिंह भावड़ और गांव भैंसवाल कलां के सरपंच संदीप मलिक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बच्चों का संस्कारयुक्त निर्माण ही शिक्षा का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए: डॉ.वशिष्ठ

गोहाना। सम्मेलन में प्रतिभागी आचार्यगण। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। रविवार को गीता विद्या मंदिर, गोहाना में सम्पर्कित विद्यालयों का आचार्य सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में 9 विद्यालयों के निदेशक, प्राचार्य एवं आचार्यों समेत 63 शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। सम्मेलन में प्रांत के सम्पर्कित विद्यालयों के प्रमुख अनिल कुलश्रेष्ठ ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्या भारती की संकल्पना को संपर्कित विद्यालयों तक पहुंचाना है, ताकि वहां भी वंदना, गीत एवं संस्कारों के माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण का कार्य प्रभावी रूप से संपन्न हो सके। हिंदू शिक्षा समिति हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. ऋषि राज वशिष्ठ ने कहा कि बच्चों का संस्कारयुक्त निर्माण ही शिक्षा का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए। विद्यालय के साथ घर में भी बालकों के चरित्र निर्माण पर ध्यान देना आवश्यक है।

कार्यक्रम गुरुदत्त विद्यार्थी को 165वीं जयंती पर किया नमन

आर्य समाज के महान युवा प्रचारक बहुमुखी विद्वान थे गुरुदत्त विद्यार्थी

- विद्यार्थी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। गुरु दत्त विद्यार्थी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए नागरिक।

रविवार को गुरुदत्त विद्यार्थी की 165वीं जयंती पर सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने गुरुदत्त विद्यार्थी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी आर्य समाज के महान युवा प्रचारक, दार्शनिक और बहुमुखी विद्वान थे। उनका जन्म 26 अप्रैल 1864 को ब्रिटिश भारत में पाकिस्तान के मुल्तान में हुआ था। बचपन से ही उनकी बुद्धि बहुत तेज थी और वह पढ़ते-पढ़ते नास्तिक बन गए थे लेकिन स्वामी दयानंद के विचारों से इतने प्रभावित हुए कि वह आर्य समाज के अनन्य शिष्य बन गए। जयंती समारोह की अध्यक्षता योग गुरु डॉ. सुरेश सैनी ने की। उन्होंने कहा स्वामी दयानंद की स्मृति में उन्होंने महात्मा हंसराज और लाला लाजपत राय के साथ मिलकर 1 जून सन 1886 को लाहौर में पहला डीएवी स्कूल स्थापित किया। 19 मार्च 1890 को मात्र 26 वर्ष की आयु में तत्कालीन समय में तपेदिक की घातक बीमारी से ग्रस्त होने पर उनकी मौत हो गई। इस मौके पर सुरेश पंवार, मास्टर हवा, सिंह, जितेंद्र, राजपाल, रामेहर, अत्रावती देवी, गीता कमला व निर्मला आदि उपस्थित रहे।

नियमित योग के अभ्यास से शरीर की आंतरिक साफ-सफाई : महिपाल

गन्नौर। आचार्य छबील दास जल नेती व सूत्र नेती की विधि समझाते हुए।

गन्नौर। भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान में रेलवे पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 48 साधकों को शुद्धि क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में आचार्य छबील दास ने जल नेती व सूत्र नेती की विधि विस्तार से समझाते हुए उनका व्यावहारिक अभ्यास करवाया। डॉ. प्रेम और आर्य महिपाल ने शुद्धि क्रियाओं के लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित अभ्यास से शरीर की आंतरिक सफाई होती है और कई प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि ये क्रियाएं विशेष रूप से श्वसन तंत्र को मजबूत करने में सहायक होती हैं। जिला प्रधान मास्टर ओमप्रकाश ने उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिविर में यशवीर धामा, राजेंद्र वर्मा, बलबीर सिंह आर्य, अजीत, नवीन वशिष्ठ, बीके जी, शशि, आर्य संतोष, नीरू अधलखा, नवीन त्यागी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीण अंचल में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की कवायद

कुराड़ में 12.22 करोड़ की लागत से बनेगा हॉकी ग्राउंड, निखरेंगी खेल प्रतिभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

वर्ष 2021 में टोक्यो ओलंपिक और वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले सुमित के गांव कुराड़ में जल्द हॉकी ग्राउंड के रूप में खिलाड़ियों को सौगात दी जाएगी। हॉकी ग्राउंड का निर्माण होने व खेल संबंधी सुविधाएं मिलने से ग्रामीण अंचल में खेल प्रतिभाएं निखर कर सामने आएंगी। लोक निर्माण विभाग की ओर से कुराड़ इब्राहिम पुर रोड पर 6-ए साइज के हॉकी ग्राउंड का निर्माण करवाने की योजना तैयार की गई है। उक्त ग्राउंड पर विभाग ने करीब 12.22 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने का निर्णय लिया है। ग्राउंड में कुल राशि से चाहरदीवारी के अलावा एडमिन ब्लॉक, चेंजिंग रूम व शौचालयों का निर्माण भी करवाया जाएगा।

जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेकों पदक दिलाकर देश का मान विश्व पटल पर बढ़ाया है। हॉकी खिलाड़ियों ने भी अपनी खेल प्रतिभा के दम पर जिले का नाम रोशन किया है। इसके बावजूद जिले में हॉकी खेल के अभ्यास के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं है।

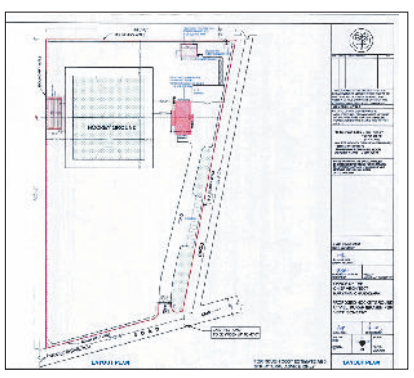

हालांकि सेक्टर-4 स्थित खेल स्टेडियम में खिलाड़ियों के अभ्यास करने के लिए हॉकी ग्राउंड तैयार करवाया गया है, लेकिन यहां पूर्ण रूप से सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में खिलाड़ी, अभिभावक व प्रशिक्षक लंबे समय से खेल सुविधाएं बढ़ाने की मांग करते आ रहे हैं। असुविधाओं का खामियाजा खिलाड़ियों को पूर्ण रूप से अभ्यास के लिए सुविधाएं न मिलने के कारण भुगतना पड़ रहा था। ऐसे में सरकार ने जिले की खेल प्रतिभाओं को तराशने के उद्देश्य से गांव कुराड़ में हॉकी मैदान का निर्माण करवाने का निर्णय लिया है।

बजट को मंजूरी मिलते ही शुरू होगी टेंडर प्रक्रिया

कुराड़ में हॉकी ग्राउंड निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से नक्शा तैयार करवाकर मुख्यालय भेजा गया था। मुख्यालय ने नक्शे को मंजूरी प्रदान करते हुए विभाग से बजट की मांग की थी। इसके बाद विभाग ने करीब 12.22 करोड़ रुपये का बजट तैयार कर मुख्यालय भेजा है। अधिकारियों की मानें तो बजट को मंजूरी मिलते ही हॉकी ग्राउंड के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुराड़ में हॉकी ग्राउंड का निर्माण कार्य शुरू करवाया जा सकेगा। हॉकी ग्राउंड का निर्माण होने से आसपास ग्रामीण अंचल के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए अन्य जिलों या दूरदराज के खेल मैदानों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उचित सुविधाएं व अभ्यास के लिए उचित जगह मिलने के पश्चात ग्रामीण अंचल के और खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश की झोली में डाल सकेंगे।

वर्ष 2021 में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने की थी घोषणा

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2021 में जिले के गांव कुराड़ के विकास को नई बुलंदी देते हुए 6-ए साइड का हॉकी ग्राउंड बनवाने की घोषणा की थी। साथ ही उन्होंने हॉकी खिलाड़ी सुमित से ग्रामीण अंचल के नए हॉकी खिलाड़ियों को गुरुमंत्र देने का आह्वान किया था। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने गांव में हॉकी नर्सरी, प्रशिक्षक की नियुक्ति, विद्यालय के कमरों का निर्माण करवाने के साथ अन्य जरूरतों को जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए थे, ताकि युवा वर्ग को शिक्षित करने के साथ खेलों के प्रति अग्रसर किया जा सके।

हॉकी ग्राउंड के नक्शे को मुख्यालय से मंजूरी मिली

गांव कुराड़ में बनने वाले हॉकी ग्राउंड के नक्शे को मुख्यालय से मंजूरी मिल चुकी है। विभाग ने हॉकी ग्राउंड के लिए अब बजट तैयार कर मुख्यालय भेजा गया है। बजट को मंजूरी मिलते ही टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद कुराड़ में हॉकी ग्राउंड के निर्माण का कार्य शुरू करवाया जाएगा।

- भूपिंद्र सिंह, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सोनीपत

खंड शिक्षा अधिकारियों के कार्यालय में बने हेल्प डेस्क पर जानकारी के अभाव में नहीं पहुंच पाए

आरटीई : 3966 सीटों पर मात्र 2224 आवेदन 2214 ने ही करवाया दस्तावेजों का सत्यापन

अभिभावक दस्तावेज सत्यापन के बाद ही करवा सकेंगे अपने बच्चों का दाखिला, नहीं तो रद्द माना जाएगा आवेदन

- अब दाखिले की लगेगी होड़, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे निजी स्कूलों की मोटी फीस को दरकिनार कर ले सकेंगे ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

निशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत विद्यार्थियों का निजी स्कूलों में दाखिला करवाने को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय के शेड्यूल में बदलाव के बाद दस्तावेज सत्यापन का रविवार को अंतिम दिन रहा। अंतिम दिन सोनीपत ब्लॉक में शेष अभिभावकों ने कार्यालय पहुंचकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन करवाया। अंतिम दिन जिले में आवेदन करने वाले 2224 अभिभावकों में से 2214 ने अपने दस्तावेजों के सत्यापन का कार्य पूरा करवाया। वहीं जानकारी के अभाव में 10 अभिभावक दस्तावेजों के सत्यापन से वंचित रह गए हैं। नए शेड्यूल के अनुसार आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को दस्तावेज सत्यापन करवाने के लिए शनिवार को एक दिन की और छूट दी गई थी। अभिभावकों की सुविधा के लिए कार्यालयों में हेल्प डेस्क पर कर्मचारी शेष अभिभावकों का इंतजार कर वापस लौट गए। आरटीई अधिनियम 2009 के तहत मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए नर्सरी, केजी व प्रथम कक्षा के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करनी होती है। मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में जरूरतमंद बच्चों का दाखिला करवाने के लिए 16 अप्रैल तक ऑनलाइन उज्ज्वल पोर्टल पर आवेदन करने की तिथि निर्धारित की गई थी। कुल 3966 सीटों पर केवल 2224 अभिभावकों ने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए आवेदन किया है। अब इन विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्य पूरा करवाया जा रहा है, ताकि विद्यार्थी चयनित स्कूलों में दाखिला पाने के लिए निर्धारित दस्तावेजों को पूरा कर सकें। दस्तावेज सत्यापन करवाने के बाद ही अभिभावक निजी स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला करवा सकेंगे। अन्य उनके आवेदन को रद्द माना जाएगा। वहीं निदेशालय ने 1 से 5 मई तक वेटिंग लिस्ट के आधार पर बच्चों का दाखिला करवाने का निर्णय लिया है।

सोनीपत। सेक्टर-14 स्थित जिला शिक्षा विभाग का कार्यालय।

निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए नर्सरी, केजी व प्रथम कक्षा में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित होती हैं

पिछले साल प्रदेश में 49237 व जिले में 2896 सीटें रह गई थीं खाली

शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2025 में सीटों संबंधित विवरण प्राप्त करने में देरी हुई थी। इसके बाद अभिभावकों से पहले ऑफलाइन आवेदन जमा करवाए गए, फिर विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। ऐसे में विद्यार्थियों को आरटीई के तहत दाखिला लेने में जुलाई 2025 तक इंतजार करना पड़ा। जुलाई 2025 में ही प्रदेश में 4210, सोनीपत में 195 विद्यार्थी स्कूलों में प्रवेश पाने से वंचित रह गए थे। कुछ स्कूल प्रबंधन काफी समय तक चयनित बच्चों को दाखिला देने में आनाकानी करते रहे थे। विभाग के हस्तक्षेप के बाद विद्यार्थियों को दाखिला मिल पाया था। इसके बाद भी विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश में शेष बची 49237, सोनीपत में 2896 सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को वेटिंग लिस्ट व मेरिट के आधार दाखिला दिलवाने का निर्णय लिया था, लेकिन इन सीटों पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया था।

पिछले साल की अपेक्षा जिले में इस साल बढ़ीं सीटें

कक्षा	2025	2026
नर्सरी	1921	1754
एलकेजी	22	50
यूकेजी	95	140
पहली	1600	2022
कुल सीटें	3638	3966

जिले के किस ब्लॉक में कितने आवेदन मिले

ब्लॉक	आवेदन
गन्नौर	443
गोहाना	218
कथूरा	36
खरखौदा	209
मुंडलाना	90
राई	155
सोनीपत	1073
कुल	2224

पिछले साल ब्यौरा नहीं देने वाले 84 स्कूलों पर लगा था जुर्माना

शिक्षा विभाग ने अक्तूबर 2025 में जिलाभर के 681 में से 105 ऐसे स्कूलों की सूची तैयार की गई थी, जिन्होंने आरटीई के तहत अपनी सीटों को घोषित नहीं किया था। साथ ही आईटीई के तहत पोर्टल पर संबंधित सीटों का ब्यौरा अपलोड नहीं किया था। इन 105 स्कूलों में से जिले में बिना मान्यता के चल रहे 21 स्कूल बंद हो चुके थे। इसके बाद शेष ऐसे 84 निजी स्कूलों पर विद्यार्थियों की संख्या अनुसार 17 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया था।

आवेदन प्रक्रिया पूरी

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत जरूरतमंद बच्चों का निजी स्कूलों में दाखिला करवाने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में आवेदनों की सूची तैयार कर दस्तावेज सत्यापन का कार्य जारी है। फिलहाल दस्तावेज सत्यापन की तिथि बढ़ाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। इसके बाद बच्चों को स्कूल अलॉट कर दाखिला प्रक्रिया को प्रारंभ करवाया जाएगा।

-रचना बाना, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

न्यूज डायरी

प्रतियोगिता के माध्यम से पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गोहाना। गांव बिचपड़ी स्थित सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के माध्यम से अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य आशीष गोयल ने की और संयोजन उप प्राचार्या रितिका गर्ग का रहा। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण बचाओ और पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ विषयों पर पेंटिंग बनाई। छात्रा समृद्धि ने पर्यावरण संरक्षण पर एक आकर्षक मॉडल तैयार किया। कार्यक्रम में इको क्लब के सदस्यों ने पर्यावरण प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर विद्यालय के प्रांगण में एक लघु नाटक की प्रस्तुति देते हुए खूब तालियां बटोरी। प्राचार्य आशीष ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सब की सामूहिक जिम्मेवारी है। हमें अपनी इस जिम्मेवारी को निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाने की जरूरत है।

अपनी रुचि के अनुरूप चुनें कॅरियर अवश्य मिलेगी सफलता : दीपक

गोहाना। सफल कॅरियर निर्माण के लिए जितनी आवश्यकता मेहनत करने की होती है उससे कहीं अधिक अपनी रूचियों को पहचानना जरूरी है। विद्यार्थी एक ऐसे लक्ष्य का चुनाव करें जिसमें वे बेहतर कर सकते हैं। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए यह बात गोहाना-खरखौदा मार्ग स्थित मान इंटरनेशनल स्कूल के एमडी दीपक मान ने कही। दीपक मान ने कहा कि कक्षा 12वीं की परीक्षा उतीर्ण करने के बाद हर विद्यार्थी के समक्ष कॅरियर का चुनाव करने की चुनौती होती है। ऐसे समय में वे संशय में न पड़ें अपितु स्व-मूल्यांकन करके अपने हुनर, अपनी रूचियों और कौशल को पहचानें। हर किसी विद्यार्थी में कोई न कोई हुनर छुपा होता है। जो विद्यार्थी अपने अंदर छुपे हुनर को पहचान लेता है और मेहनत के साथ आगे बढ़ता है उसे सफलता अवश्य मिलती है। दीपक मान ने कहा कि आज डिजिटल युग है। ऐसे में विद्यार्थी स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करें। वे ऐसे लक्ष्य का निर्धारण करें जिसमें सफल कॅरियर निर्माण की प्रबल संभावनाएं हों।

छात्रों ने ताइक्वांडो मेमोरियल कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक जीते

गन्नौर। ताईक्वांडो चैंपियनशिप में चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने रेवाड़ी में हुई लक्ष्मी देवी ताइक्वांडो मेमोरियल कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक जीते है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। कोच सन्नी चौधरी,कोच अंजू ने बताया कि प्रतियोगिता में आलोक, परीक्षित और सुशांत ने अपने-अपने भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं चरणजीत, युग, जश और मयंक ने भी शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में संघर्ष करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। स्कूल निदेशक अजय यादव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिविर में युवाओं ने रक्तदान कर लोगों को किया प्रेरित

सोनीपत। स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन की ओर से रविवार को सेक्टर-12 स्थित सामुदायिक केंद्र में 12वां रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में फाउंडेशन के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य रमेश जैन ने बताया कि महामुनि गुरुदेव सुदर्शन लाल महाराज की पुण्य स्मृति दिवस पर युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में रोटरी ब्लड बैंक ओमेक्स की टीम के सहयोग से 37 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक नितिन जैन ने बताया कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। हम वर्ष में चार बार रक्तदान कर किसी के अनमोल जीवन को बचाने में मदद कर सकते हैं। इस बार भी शिविर में युवाओं ने आगे आकर रक्तदान कर अपनी अहम भूमिका निभाई। वहीं शिविर में फाउंडेशन के सदस्य दिलबाग ने 25वीं बार रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उनके समय में रक्तदान के प्रति जागरूकता का अभाव था, लेकिन वर्तमान में युवा पीढ़ी आगे आकर रक्तदान कर अपना धर्म निभा रही है।

विधायक व कैबिनेट मंत्री ने वार्डों में किया कार्यालयों का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विधायक निखिल मदान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 133 वें संस्करण को राठधना रोड पर सुना। इसके बाद विभिन्न वार्डों में पार्षद उम्मीदवारों के चुनावी कार्यालय का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि कुछ दिन पहले ही भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार ने एक विशेष पोर्टल पर अनोखा डेटाबेस साझा किया।

सोनीपत। वार्ड-3 में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करने के दौरान मौजूद कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार, विधायक निखिल मदान व अन्य।

संस्था ने 20 करोड़ से भी ज्यादा अमूल्य दस्तावेजों को सार्वजनिक किया। इनमें से कुछ बहुत ही दिलचस्प हैं।

7वीं शताब्दी की गिलगित पांडुलिपियां भोजपत्र पर लिखी हुई हैं। यहां आपको 8वीं शताब्दी का एक रोचक ग्रंथ श्री भुवलय भी देखने को मिलेगा। साथ ही इनमें नेताजी सुभाष व पंडित मदन मोहन मालवीय से जुड़े कई दस्तावेज भी मिलेंगे। इनमें बीएचयू की स्थापना, हिंदी साहित्य सम्मेलन से जुड़ी अहम जानकारियां हैं। 9 मई को पोच्चीशे बोइशाख के अवसर पर गुरुदेव टैगोर की जन्म जयंती मनाई जाएगी। देश में जनगणना अभियान चल रहा है। यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जनगणना 2027 को डिजिटल बनाया गया है। सारी जानकारी सीधे डिजिटल माध्यम में दर्ज हो रही है। भारत ने हाल ही में पवन-ऊर्जा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश के विकास के लिए सौर, पवन ऊर्जा जरूरी है। यह सिर्फ पर्यावरण की बात नहीं, हमारे भविष्य की सुरक्षा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

मुकाबला | केमिस्ट भवन में दो दिवसीय 29वीं जिलास्तरीय शतरंज प्रतियोगिता

शतरंज स्पर्धा : खिलाड़ियों की चाल से चकराए प्रतिद्वंदी

शतरंज के खेल में सोनीपत का भविष्य उज्जवल नजर आया 100 खिलाड़ी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को एटलस रोड के पास केमिस्ट भवन में दो दिवसीय 29वीं जिलास्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। ऑग्रेनाइजिंग कमेटी के वाइस चेयरमैन स्वप्निल गोयल ने बताया कि प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। इनमें 5-6 आयु से लेकर 19 साल तक के खिलाड़ियों को खेलते देख शतरंज में सोनीपत में भविष्य उज्जवल नजर आया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत द हरियाणा चेस एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष अजय गोयल ने अन्य अतिथियों के साथ मिलकर की। अतिथि के रूप में मनोज वर्मा, नीरज मोर, रिया कौशल, ऋषभ वर्मा शामिल हुए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीक का प्रयोग करते हुए प्रतियोगिता का बखूबी संचालन किया। पहले दिन अंडर-7 आयु वर्ग, अंडर-15 व अंडर-19 आयु वर्ग के प्रतिभागी विजेता लड़के-लड़कियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्या अतिथि के रूप में कौशिक चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष अजय गोयल ने बताया कि सोमवार को अंडर-9, अंडर-13 व अंडर-17 आयु वर्ग का परिणाम जारी कर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

सोनीपत। केमिस्ट भवन में आयोजित पारितोषिक वितरण समारोह में जिला चेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों, अतिथियों के साथ मौजूद विजेता खिलाड़ी।

शतरंत स्पर्धा का परिणाम

अंडर-7 आयु वर्ग लड़कों में
प्रथम : जयदेव वशिष्ठ
द्वितीय : अद्वेय नारंग
तृतीय : अद्विक
लड़कियां में
प्रथम : सौम्या अरोड़ा
अंडर-15 आयु वर्ग लड़कों में
प्रथम : अर्नव धमीजा
द्वितीय : सक्षम
तृतीय : हितांश
लड़कियां में
प्रथम : सौम्या
द्वितीय : अवनी मेहता
तृतीय : नम्रता
अंडर-19 लड़कों में
प्रथम : दर्श सैनी
द्वितीय : रुद्र
तृतीय : लक्ष्य आहूजा
लड़कियों में
प्रथम : महक

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच के बाद दी सलाह

गन्नौर। गांव कामी स्थित संस्कार भारती विद्या पीठ में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बीएमडी, ब्लड प्रेशर व शुगर की जांच के साथ घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण से संबंधित परामर्श दिया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी जांच करवाई। शिविर में नई दिल्ली के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. ईश्वर बोहरा ने मरीजों की जांच की और उन्हें उचित उपचार संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने आधुनिक रोबोटिक तकनीक से होने वाले घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। डॉ. ईश्वर बोहरा ने कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती उम्र के साथ जोड़ों की समस्याएं आम हो रही हैं। समय पर जांच और सही इलाज से इन समस्याओं से राहत पाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और डॉक्टर की सलाह अनुसार उपचार लेने की अपील की। विद्यालय के प्रधानाचार्य समय सिंह ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों का आयोजन जारी रहेगा। शिविर के दौरान उपस्थित लोगों ने संस्कार भारती स्कूल की पहला की सराहना की। व्यवस्था में स्कूल के शिक्षकों ने भी सहयोग किया।